

Total No. of Printed Pages—11

Subject Code : 27

B21-SX (E)
(EN/AS/BN)

2021

SANSKRIT (E)

Full Marks : 100

Pass Marks : 30

Time : 3 hours

115251

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. Answer the following questions :

তলৰ প্রশ্নবোৰৰ উত্তৰ দিয়া :

নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর দাও :

- (a) How many Chapters are there in the 'মনুস্মৃতি'?
- 'মনুস্মৃতি'ত কেইটা অধ্যায় আছে ?
- 'মনুস্মৃতি'তে কয়টি অধ্যায় আছে ?
- (b) Give a Sanskrit equivalent of the word 'পূত্ৰম্'.
- 'পূত্ৰম্' শব্দটোৰ এটা সংস্কৃত প্রতিশব্দ দিয়া ।
- 'পূত্ৰম্' শব্দটির একটি সংস্কৃত প্রতিশব্দ দাও ।
- (c) "भो मित्र, यत्समुचितं भवति तत् कर्तव्यमिति।"
- Who is addressed as 'মিত্ৰ' here?
- ইয়াত 'মিত্ৰ' বুলি কাক সম্বোধন কৰা হৈছে ?
- এখানে 'মিত্ৰ' বলে কাকে সম্বোধন করা হয়েছে ?
- (d) Who is the author of the 'হিতোপদেশ'?
- 'হিতোপদেশ'ৰ লিখক কোন ?
- 'হিতোপদেশ'-এৰ লেখক কে ?
- (e) How many Chapters are there in the 'শ্ৰীমদ্ভগবদ্গীতা'?
- 'শ্ৰীমদ্ভগবদ্গীতা'ত কেইটা অধ্যায় আছে ?
- 'শ্ৰীমদ্ভগবদ্গীতা'তে কয়টি অধ্যায় আছে ?
- (f) "पादोपमुक्ते तव पादुके मे प्रयच्छ।"
- Who is referred to as 'তব' here?
- ইয়াত 'তব' পদটোৰে কাক বুজাইছে ?
- এখানে 'তব' পদটিতে কাকে বুঝিয়েছে ?

- (g) With whom भरत went to forest in search of राम?
भरत कार सैते रामक विचारि बनलै गैछिल ?
भरत कार सङ्गे रामके खँजते बने गियेछिलेन ?
- (h) Who is the friend of a patient?
बेमारि मानुहब मित्र कोन ?
असुछ मानुषेर मित्र के ?
- (i) From which 'पर्व' of the 'महाभारत' the verses of the lesson 'यक्षयुधिष्ठिरसंवादः' are taken?
'यक्षयुधिष्ठिरसंवादः' नामब पाठटित थका श्लोकबोब 'महाभारत'ब कोनटो पर्वब पवा लोरा हैछे ?
'यक्षयुधिष्ठिरसंवादः' नामक पाठेर अन्तर्गत श्लोकगुलि 'महाभारत'-एर कोन पर्व थेके नेओया ह्येछे ?

2. "एष धर्मः सनातनः"

What is meant by 'सनातन धर्म' here?

2

इयात 'सनातन धर्म' माने कि बूजोरा हैछे ?

एथाने 'सनातन धर्म' बलते की बोखानो ह्येछे ?

3. Derive **any two** of the following words :

2

तलब शब्दबोबब यि कोनो दुटाब व्युत्पत्ति निर्णय कवा :

निम्नलिखित शब्दगुलिर ये कोनो दुटिर व्युत्पत्ति निर्णय करो :

हर्तुम् ; प्रविष्टः ; कृत्वा ; याचते ।

4. How many Sections are there in the 'हितोपदेश'? Write the name of the Sections.

2

'हितोपदेश'त केईटा खण्ड आछे ? खण्डकेईटाब नाम लिखा ।

'हितोपदेश'-ए कयटि खण्ड आछे ? खण्डगुलिर नाम लेखो ।

5. “किमस्माकं पथ्यम्?”

Who asked this question and to whom was it asked? What is the ‘पथ्यम्’ referred to here? 2

এই প্রশ্নটি কোনে কাক সুধিছিল? ইয়াত কি ‘পথ্যম্’ৰ কথা উল্লেখ কৰা হৈছে?

এই প্রশ্নটি কে কাকে জিজ্ঞাসা কৰেছিল? এখানে কী ‘पथ्यम्’-এর কথা উল্লেখ করা হয়েছে?

6. Fill in the blanks : 2

খালী ঠাই পূৰণ কৰা :



শূন্যস্থান পূৰ্ণ কৰো :

बालो वा यदि वा _____ युवा वा गृहमागतः।
तस्य पूजा विधातव्या _____ गुरुः ॥

7. Translate the following passages : 4×4=16

তলৰ অনুচ্ছেদকেইটা অনুবাদ কৰা :

নীচের অনুচ্ছেদগুলি অনুবাদ কৰো :

(a) कस्मिंश्चित् नगरे चन्द्रो नाम भूपतिः प्रतिवसति स्म। तस्य पुत्रा वानरक्रीडारता वानरयूथं नित्यमेव अनेकभोजनभक्ष्यादिभिः पुष्टिं नयन्ति स्म। तस्मिन् राजगृहे लघुकुमारवाहनयोग्यं मेषयूथमस्ति।

Or / नाईवा / अथवा

अथ एकदा देवदुर्विपाकात् राजभवनस्य अनेके अश्वाः भृशं दग्धाः। राजा सविषादः राजवैद्यान् आहूय प्रोवाच—भोः प्रोच्यतामेषामश्वानां कश्चिद्वाहोपशामनोपायः।

(b) स चैकदा सपरिवारो नैशभोजनं समाप्य निर्भरं प्रसुप्तः। तदनन्तरं तद्गृहद्रव्याणि हर्तुं चौरः प्रविष्टः। तस्य प्रांगणे गर्दभो बद्धस्तिष्ठति।

Or / नाईवा / अथवा



इत्युक्त्वातीव चीत्कारं कृतवान्। ततः स रजकस्तेन चीत्कारेण प्रबुद्धो निद्राभङ्गकोपादुत्थाय गर्दभं लगुडेन ताडयामास। तेनासौ पञ्चत्वमगमत्।

- (c) किन्तु धारानगरवासी राजा भोजः रोगपीडितो नितराम अस्वस्थो वर्त्तते। तस्य रोगः केनापि वैद्येन न निवारितः। तदनेन भोजराजेन भिषग्वरा अपि स्वदेशान्निष्कासिताः।

Or / नाईवा / अथवा

राज्ञापि तथा कृतम्। तौ राजानं मोहचूर्णेन मोहयित्वा शिरः कपालमादाय तत्करोटिकापुटे स्थितं शफरं गृहीत्वा कस्मिंश्चिद् भाजने निक्षिप्तवन्तौ।

- (d) अत्र रामश्च सीता च लक्ष्मणश्च महायशाः।
सत्यं शीलं च भक्तिश्च येषु विग्रहवत् स्थिता ॥

Or / नाईवा / अथवा

निर्घृणश्च कृतघ्नश्च प्राकृतः प्रियसाहसः।
भक्तिमानागतः कश्चित् कथं तिष्ठतु यात्विति ॥

8. Explain the following verses with reference to the context : 5×2=10

প্রসঙ্গ-সঙ্গতি দেখুৱাই তলৰ শ্লোককেইটা ব্যাখ্যা কৰা :

প্রসঙ্গ-সঙ্গতি দেখিয়ে নীচের শ্লোকগুলি ব্যাখ্যা কৰো :

- (a) यं मातापितरौ क्लेशं सहेते सम्भवे नृणाम्।
न तस्य निष्कृतिः शक्या कर्तुं वर्षशतैरपि ॥

Or / नाईवा / अथवा

अद्भिर्गात्राणि शुद्धयन्ति मनः सत्येन शुद्धयति।
विद्या तपोभ्यां भूतात्मा बुद्धिज्ञानेन शुद्धयति ॥

- (b) यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत् प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्त्तते ॥

Or / नाईवा / अथवा

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

9. Elucidate the idea of the following :

4×2=8

তলত দিয়াবোৰৰ ভাৱ বহলাই লিখা :

নিম্নলিখিত বাক্যগুলিৰ ভাৱ সম্প্ৰসাৰণ কৰো :

(a) মন: শীঘ্ৰতরं वाताच्चिन्ता बहुतरी तृणात्।

Or / নাইবা / অথবা



लाभानां श्रेय आरोग्यं सुखानां तुष्टिरुत्तमा।

(b) याचते कार्यकाले यः स किंभृत्यः स किंसुहृत्।

Or / नাইবা / অথবা

भृत्यान् संभावयेद् यस्तु कार्यकाले स किंप्रभुः॥

10. Answer the following questions :

4×3=12

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ লিখা :

নীচৰ প্ৰশ্নগুলিৰ উত্তৰ লেখো :

(a) Present a note on 'पञ्चतन्त्र'.

'पञ्चतन्त्र'ৰ বিষয়ে এটি টোকা লিখা।

'पञ्चतन्त्र'-ৰ বিষয়ে একটি টীকা লেখো।

(b) Answer the following questions in Sanskrit :

তলৰ প্ৰশ্নবোৰৰ উত্তৰ সংস্কৃতত লিখা :

নীচৰ প্ৰশ্নগুলিৰ উত্তৰ সংস্কৃতে লেখো :



(i) लक्ष्मणः भरतं विलोक्य केन कारणेन भ्रान्तः भवति?

(ii) भरतस्य स्वागतार्थं का गच्छति?

(iii) भरतः कुत्र स्थातुम् इच्छति?

(iv) 'भ्रातृमनोरथं पूर्य'—अत्र 'भ्रातृ'शब्देन कः बोध्यते?

(c) Write a brief note on 'श्रीमद्भगवद्गीता'.

'श्रीमद्भगवद्गीता'ৰ বিষয়ে চমু টোকা লিখা।

'श्रीमद्भगवद्गीता' -ৰ বিষয়ে সংক্ষেপে টীকা লেখো।

11. (a) Account for the case-endings in *any two* of the following :

2×2=4

তলৰ যি কোনো দুটাৰ কাৰক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নীচের যে কোনো দুটির কারক-বিভক্তি নিৰ্ণয় কৰো :

'नगरे' in Q. No. 7(a)

['नगरे'—7 नं (a) प्रश्नत]

['नगरे'—7 नं (a) प्रश्ने]

'चीत्कारेण' in Q. No. 7(b) Or

['चीत्कारेण'—7 नं (b) नईवा प्रश्नत]

['चीत्कारेण'—7 नं (b) अथवा प्रश्ने]

'भोजराजेन' in Q. No. 7(c)

['भोजराजेन'—7 नं (c) प्रश्नत]

['भोजराजेन'—7 नं (c) प्रश्ने]

'सत्येन' in Q. No. 8(a) Or

['सत्येन'—8 नं (a) नईवा प्रश्नत]

['सत्येन'—8 नं (a) अथवा प्रश्ने]

(b) Derive **any two** of the following :

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰা :

নীচৰ যে কোনো দুটিৰ ব্যুৎপত্তি নিৰ্ণয় কৰো :

‘নয়ন্তি’ in Q. No. 7(a)

[‘নয়ন্তি’—7 নং (a) প্রশ্নত]

[‘নয়ন্তি’—7 নং (a) প্রশ্নে]

‘তিষ্ঠতি’ in Q. No. 7(b)

[‘তিষ্ঠতি’—7 নং (b) প্রশ্নত]

[‘তিষ্ঠতি’—7 নং (b) প্রশ্নে]

‘গৃহীত্বা’ in Q. No. 7(c) Or

[‘গৃহীত্বা’—7 নং (c) নাইবা প্রশ্নত]

[‘গৃহীত্বা’—7 নং (c) অথবা প্রশ্নে]

‘কুরুতে’ in Q. No. 8(b)

[‘কুরুতে’—8 নং (b) প্রশ্নত]

[‘কুরুতে’—8 নং (b) প্রশ্নে]

12. (a) Decline **any three** of the following :

2×3=6

তলৰ যি কোনো তিনিটাৰ শব্দৰূপ লিখা :

নীচৰ যে কোনো তিনটিৰ শব্দৰূপ লেখো :

‘নদী’ in দ্বিতীয়া plural

[‘নদী’—দ্বিতীয়া বিভক্তিৰ বহুবচনত]

[‘নদী’—দ্বিতীয়া বিভক্তিৰ বহুবচনে]

‘সখি’ in ষষ্ঠী dual

[‘সখি’—ষষ্ঠী বিভক্তিৰ দ্বিবচনত]

[‘সখি’—ষষ্ঠী বিভক্তিৰ দ্বিবচনে]

‘पुस्तक’ in प्रथमा plural

[‘पुस्तक’—प्रथमा विभक्तिर् बहुवचनत]

[‘पुस्तक’—प्रथमा विभक्तिर् बहुवचने]

‘सम्राज्’ in पञ्चमी singular

[‘सम्राज्’—पञ्चमी विभक्तिर् एकवचनत]

[‘सम्राज्’—पञ्चमी विभक्तिर् एकवचने]

‘साधु’ in तृतीया singular

[‘साधु’—तृतीया विभक्तिर् एकवचनत]

[‘साधु’—तृतीया विभक्तिर् एकवचने]

(b) Conjugate **any three** of the following :

2×3=6

তলৰ যি কোনো তিনিটাৰ ধাতুৰূপ লিখা :

নীচের যে কোনো তিনটির ধাতুরূপ লেখো :

‘कृ’ in लृट् स्यामि

[‘कृ’—लृट् विभक्तिर् स्यामि]

[‘कृ’—लृट् विभक्तिर् स्यामि]

‘पठ्’ in लङ् अन्

[‘पठ्’—लङ् विभक्तिर् अन्]

[‘पठ्’—लङ् विभक्तिर् अन्]

‘अद्’ in लोट् तु

[‘अद्’—लोट् विभक्तिर् तु]

[‘अद्’—लोट् विभक्तिर् तु]

‘विद्’ in लट् ति

[‘विद्’—लट् विभक्तिर् ति]

[‘विद्’—लट् विभक्तिर् ति]

[Contd.

'भू' in विधिलिङ् यात्
 ['भू'—विधिलिङ् विभक्तिर यां]
 ['भू'—विधिलिङ् विभक्तिर यां]

2×2=4

(c) Name and expound **any two** of the following :

তলৰ যি কোনো দুটাৰ ব্যাসবাক্য লিখি সমাসৰ নাম লিখা :

নীচের যে কোনো দুটির ব্যাসবাক্য লিখে সমাসের নাম লেখো :

निर्विघ्नम् ; महावीरः ; त्रिलोकी ; मित्रावरुणौ।



2

(d) Change the voice in **any one** of the following :

তলৰ যি কোনো এটাৰ বাচ্য পৰিবৰ্তন কৰা :

নীচের যে কোনো একটির বাচ্য পরিবর্তন করো :

(i) माधवः पुस्तकं पठति।

(ii) तेन चन्द्रः दृश्यते।

(iii) रामेण रावणः हतः।

13. Translate into Sanskrit **any four** of the following sentences :

2½×4=10

তলৰ যি কোনো চাৰিটা বাক্য সংস্কৃতলৈ অনুবাদ কৰা :

নীচের যে কোনো চারটি বাক্য সংস্কৃতে অনুবাদ করো :

(a) Bhasa composed thirteen dramas.

ভাসে তেৰখন নাটক ৰচনা কৰিছিল।

ভাস তেৰটি নাটক ৰচনা কৰেছিলেন।



(b) None should believe a wicked person.

দুৰ্জন লোকক কোনেও বিশ্বাস কৰিব নালাগে।

দুৰ্জন লোককে কারোর বিশ্বাস করা উচিত নয়।

(c) The boys are playing in the field.

ল'বাবোৰে পথাৰত খেলি আছে।

ছেলেৱা মাঠে খেলা কৰছে।

(d) Vinayak will go to Mumbai tomorrow.

বিনায়ক কাইলৈ মুম্বাইলৈ যাব।

বিনায়ক আগামীকাল মুম্বাইতে যাবে।

(e) Nothing is pure as knowledge.

জ্ঞানৰ সমান পবিত্ৰ একো নাই।

জ্ঞানৰ সমান পবিত্ৰ কিছু নাই।

(f) When will you go home?

তুমি ঘৰলৈ কেতিয়া যাবা ?

তুমি কখন বাড়ী যাবে ?
